

DR (SMT.) BHAKTI YADAV

Dr. (Smt.) Bhakti Yadav, widely known as Mom amongst her patients, is an MBBS,MS (Gynecology), who started her career from Nandlal Bhandari Mills Maternity Home, specially made for mill workers and other residents of Indore and adjoining cities. She is famous for performing Normal deliveries. She always thought of treating her patients with utmost care and serving them with devotion.

2. Born on April 03, 1926, in a small village Mahidpur, her father Late Vinayak Bhagwant Kaveeshvar shifted to Garoth, where she completed her middle school, as there were no further facilities available. She joined Ahilya Ashram Girls School Indore from where she completed her matriculation. She was the first girl student by her top academic results and was selected in first batch of Mahatma Gandhi Medical College, Indore in 1948, for MBBS course.

3. Dr. Yadav completed her MBBS in 1952, and simultaneously joined Nandlal Bhandari Mills Maternity home from where she created a record of treating patients in all odd conditions with least available resources. After that she completed her Master of Surgery in 1962, with a very sensitive subject of her thesis "Pregnancy in adolescence". She performed difficult surgeries successfully with an ease. She performed innumerable normal deliveries during her career.

4. Dr. Yadav is recipient of numerous awards and honors like Dr. S.K. Mukhrjee Chikitsa sewa award in 2009. She received various recognition from Smarth Tartin Manch Poorvi Kshetra Indore, from the Indore Textile Employees Association, Tejaswini award from Media and Mahila Sashaktikaran award from Government of Madhya Pradesh.



डॉ. (श्रीमती) भक्ति यादव

डॉ. (श्रीमती) भक्ति यादव, जो अपने मरीजों के बीच मॉम नाम से जानी-मानी जाती हैं, एक एम.बी.बी.एस., एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं)। आपने नंदलाल भंडारी मिल्स मैटर्निटी होम, जो विशेष रूप से मिल के कामगारों और इंदौर एवं आस-पास के शहरों के अन्य निवासियों के लिए बनाया गया है, से अपने सेवा जीवन की शुरूवात की। आप नॉरमल प्रसव कराने के लिए विख्यात हैं। आपका दृष्टिकोण, अपने मरीजों का उपचार अत्यधिक देखभाल और पूर्ण समर्पण भाव से सेवा करने का रहता है।

2. आपका जन्म 3 अप्रैल, 1929 में एक छोटे से गांव महीदपुर में हुआ था, जहां से आपके पिता स्वर्गीय श्री विनायक भगवंत कवीश्वर स्थान बदलकर गरोठ चले गए थे, और आपने वहीं से ही अपनी मिडिल स्कूल की पढ़ाई पूरी की क्योंकि वहां आगे की पढ़ाई की सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसके पश्चात, आपने अहिल्या आश्रम गर्ल्स स्कूल इंदौर में प्रवेश लिया और वहां से अपनी दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की। आप अपने शैक्षणिक परिणामों के द्वारा टॉप करने वाली ऐसी पहली बालिका छात्र थीं जिन्हें एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए वर्ष 1948 में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, इंदौर के पहले बैच में चुना गया था।

3. आपने अपनी एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई 1952 में शुरू की और इसके पश्चात, आपने नंदलाल भंडारी मिल्स मैटर्निटी होम में अपनी सेवाएं देनी शुरू कीं जहां आपने विषम परिस्थितियों में और न्यूनतम उपलब्ध संसाधनों के साथ मरीजों का उपचार करने का एक रिकॉर्ड कायम किया। इसके पश्चात, आपने एक बहुत ही संवेदनशील विषय "किशोरावस्था में गर्भाधान" पर अपनी शोध के साथ वर्ष 1962 में मास्टर ऑफ सर्जरी की डिग्री पूरी की। अपने सेवाकाल के दौरान, आपने असंख्य नॉरमल प्रसव कराए हैं।

4. आपको डॉ. एस.के. मुखर्जी चिकित्सा सेवा (2009) जैसे अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित किया गया है। आपको इंदौर टेक्सटाइल इम्प्लाईज एसोसिएशन, स्मर्थ टारटिन मंच पूर्वी क्षेत्र, इंदौर की ओर से विभिन्न सम्मान, मीडिया की ओर से तेजस्विनी अवार्ड और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण अवार्ड प्राप्त हुए हैं।